अनुबंधित होने वाले निशानेबाजों की सूची से बिंद्रा गायब

चंडीगढ़, 21 अक्टूबर (एचटी)। क्रिकेटरों की तरह देश के निशानेबाजों को भी पहली बार सालाना अनुबंध के हिसाब से भुगतान की व्यवस्था की जा रही है। निशानेबाजों को तीन केटेगरी के तहत ग्रेड देकर भारतीय राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन और उसकी प्रायोजक सहारा इंडिया परिवार भुगतान देगी।

ग्रेडिंग के बाद सूची में शामिल किए गए 15 निशानेबाजों की सूची में बीजिंग ओलम्पिक में गोल्ड मैडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा का नाम ही नहीं है।

माना जा रहा है कि बिंद्रा का नाम जानबूझकर काटा गया है। आधार यही लिया जा रहा है कि उनके पास पहले से ही कई कंपनियों के करार हैं, जिसमें से कुछ तो राइफल एसोसिएशन के प्रायोजक सहारा इंडिया परिवार के कारोबारी प्रतिद्वंदी हैं। एसोसिएशन के महासचिव बलजीत सिंह सेठी ने बताया कि अभिनव पहले से ही मित्तल चैंपियंस ट्रस्ट के साथ जुड़े हुए हैं। यही वहज रही कि सहारा परिवार के लोगों ने उनका नाम अपने खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया। यह पूछे जाने पर कि देश के कई खिलाड़ी मित्तल ट्रस्ट और सहारा परिवार दोनों से जुड़े हैं। ऐसी स्थिति में बिंद्रा का नाम क्यों काटा गया, सेठी ने गोलमोल जवाब दिया। उनका कहना था कि निशानेबाजों को पहली बार क्रिकेट की तरह ग्रेडिंग के हिसाब से प्रायोजक मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में वह कोई विवाद पैदा नहीं करना चाहते।

सूत्रों का कहना है कि सहारा ने खिलाड़ियों के साथ होने वाले करार को अंतिम रूप दे दिया है, और जल्द ही वह इसकी घोषणा करने जा रहा है। इसमें शीर्ष खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष मिलेंगे। दूसरे और तीसरे वर्ग के खिलाड़ियों को क्रमश: 12 और 6 लाख रुपए सालाना दिए जाएंगे। यह करार चार साल के लिए होगा। इसकी एवज में सहारा परिवार द्वारा खेलों के प्रोत्साहन के लिए आयोजित होने वाले आयोजनों में इन खिलाड़ियों का इस्तेमाल कर पाएगा। इसके लिए साल के दिनों की संख्या भी तय होगी।

इस बारे में बिंद्रा से चर्चा नहीं हो पाई, लेकिन उसके करीबी लोगों का कहना है कि उनको राइफल एसोसिएशन ने कांट्रेक्ट के बारे में कोई सूचना नहीं दी। स्थिति यह है कि बीजिंग में ओलम्पिक का स्वर्ण पदक जीतने के साल भर बाद भी बिंद्रा को राइफल एसोसिएशन की तरफ से बधाई का एक पत्र तक नहीं मिला है। न ही संगठन ने उनके सम्मान के बारे में सोचा।

ठंड शुरू होते ही गंगा के किनारे प्रवासी साइबेरियन पक्षियों का जमावड़ा लग गया है।

हर समस्या का समाधान संभव नहीं: जलतारे

छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाईनगर, 22 अक्टूबर। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग के कर्मिकों के लिए 15वीं सर्विस विथ स्माइल एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्रीमती निशा सोनी सहायक महाप्रबंधक गैर संकार्य के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। एन के श्रीवास्तव उप प्रबंधक नगर सेवाएं ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं रूपरेखा की जानकारी दी।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डी एम जलतारे महाप्रबंधक ने कहा यह संभव नहीं है कि शिकायकर्ता की हर समस्या का समाधान हम कर सकें, लेकिन समस्याओं के निराकरण के समय हमें इस बात का अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि हम सेवा देने वाले विभाग के कार्मिक है। कार्मिकों की हमसे अपेक्षाएं है हमारा दायित्व है कि हम उनकी अपेक्षा के अनुरूप कार्य संपन्न करें।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग का अपहरण

बिलासपुर,22 अक्टूबर। पेंड्रा क्षेत्र में नाबालिग का अपहरण कर शादी के लिए जबरदस्ती करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना ग्राम बमनी की है। यहां रहने वाली नाबालिग सोमवार की शाम खेत गई थी। इस दौरान घात लगाकर बैठा रमेश सागर उसे अपने साथ जबरदस्ती ले गया। इस दौरान उसने नाबालिग से छेड़खानी की और उस पर शादी के लिए दबाव डालने लगा। किशोरी ने जब मना किया तो युवक ने जान से मारने की धमकी दी। आखिर में किसी तरह वह युवक को झांसा देकर भाग निकलने में कामयाब हो गई। वह सीधे घर पहुंची और परिजनों को सारी बात बताई। बीती शाम परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई।

बस की ठोकर से युवक की मौत

बिलासपुर,22 अक्टूबर। राजकिशोर नगर में बुधवार की शाम जेके इंस्टीट्यूट की बस ने साइकिल सवार युवक को चपेट में ले लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। सरकंडा पुलिस के अनुसार घटना बीती शाम करीब साढ़े 6 बजे की है। चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज की बस छात्रों को लेकर राजकिशोर नगर की तरफ बढ़ रही थी। इसी समय एक 25 साल का युवक साइकिल पर सवार होकर स्मृति वन की तरफ आ रहा था। इस दौरान बस के ड्राइवर ने लापरवाहीपूर्वक तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए उसे चपेट में ले लिया। साइकिल सवार युवक का शरीर बस के पहियों के नीचे आ गया। उसे गंभीर चोटें पहुंची और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस में सवार छात्र-छात्राएं उतर कर भाग गए। ड्राइवर और हेल्पर भी मौके पर बस छोड़कर फरार हो गए। हादसे के बाद लोगों की भीड़ लग गई। आक्रोशित लोगों ने बस पर पथराव कर दिया। इस बीच हादसे की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और नागरिकों को काबू में किया। लाश फौरन पोस्टमार्टम के लिए सिम्स भेज दी गई। पुलिस ने मृतक के कपड़ों की तलाशी भी ली। उसकी जेब से सिर्फ 500 रुपए मिले। पुलिस को ऐसी कोई चीज हासिल नहीं हो सकी, जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। आसपास के लोगों में से किसी ने भी उसकी पहचान नहीं की।

नवविवाहिता ने दी जान

बिलासपुर,22 अक्टूबर। कुदुदंड में बुधवार की दोपहर नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। सिविल लाइन पुलिस के अनुसार घटना बीती दोपहर 3 बजे की है। कोरबा के कांसीनगर निवासी छेदीलाल केशरवानी की बेटी गुंजा उर्फ आरती की शादी छह माह पूर्व कुदुदंड निवासी अशोक केशरवानी के साथ हुई थी। अशोक मुंगेली नाका चौक पर होटल चलाता है। बीती सुबह वह होटल चला गया। उसके माता-पिता भी किसी काम से बाहर चले गए। इस दौरान नवविवाहिता घर पर अकेली थी। उसने अपने कमरे के पंखे में साड़ी का फंदा बनाया और झूल गई। घटना की जानकारी पड़ोसियों ने पति अशोक को दी। वह फौरन घर पहुंचा। इसके बाद पुलिस व मृतका के परिजनों को जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और लाश फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के परिजनों ने पुलिस को बयान देते हुए दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

हाईकोर्ट बाबू से मारपीट

बिलासपुर,22 अक्टूबर। तारबाहर क्षेत्र में बुधवार की रात साइकिल पर जा रहे हाईकोर्ट बाबू के साथ दो युवकों ने मारपीट की। तारबाहर पुलिस के अनुसार तालापारा निवासी अब्दुल अजीज खान हाईकोर्ट में बाबू है। बीती रात वह साइकिल पर अपने भाई से मिलने रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इस दौरान गिरजा चौक पर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। युवकों ने बाबू से रकम की मांग की। उसके मना करने पर युवकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी।

कार्यकर्ताओं की पिटाई

बिलासपुर। विश्व हिंदू परिषद के ऑफिस के सामने गाली-गलौज करने से मना करने पर युवकों ने कार्यालय में घुसकर कार्यकर्ताओं से मारपीट की। सिटी कोतवाली पुलिस के अनुसार घटना सरजू बगीचा की है। विहिप कार्यालय में बीती रात करीब 10 बजे उत्तर प्रदेश निवासी धर्मेंद्र त्रिपाठी व राजीव रंजन शुक्ला बैठकर काम कर रहे थे। इस दौरान इमलीपारा निवासी संतोष गर्ग अपने साथियों के साथ कार्यालय के सामने पहुंचा। वे लोग गाली-गलौज करने लगे। इस पर धर्मेंद्र बाहर निकला और उन्हें गाली देने से मना किया। इस पर युवक कार्यालय में घुस गए और दोनों युवकों की पिटाई कर दी। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

केंद्र की योजना जन-जन तक पहुंचाएं

छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 22 अक्टूबर। वैशाली नगर उपचुनाव हेतु कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक को पूर्व विधायक अरुण वोरा, जिलाध्यक्ष घनाराम साहू, विधायिका प्रतिमा चंद्राकर वैशाली नगर के पूर्व प्रत्याशी बृजमोहन सिंह व वर्तमान प्रत्याशी भजनसिंह निरंकारी ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को हमें जन-जन तक पहुंचाना है। प्रदेश सरकार द्वारा उन योजनाओं का लाभ सही ढंग से आम जनता तक नहीं पहुंचाया जा रहा है। इसकी जानकारी आम मतदाताओं तक पहुंचाना जरुरी है। सभी ने श्री निरंकारी को प्रत्याशी बनाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, प्रदेश प्रभारी नारायण सामी व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मोतीलाल वोरा तथा राहुल गांधी का आभार माना। सभी नेताओं ने मिल जुलकर काम करने व प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए भिलाई निगम के पूर्व महापौर सुश्री नीता लोधी ने कहा कि हम सब लोगों को छत्तीसगढ़ के सारे नेताओं ने नामांकन में उपस्थित होकर आशीर्वाद व समर्थन दिया है। इस प्रतिष्ठता को बनाए रखने के लिए हम सब मिल जुलकर कार्य करते हुए घोषित प्रत्याशी को विजयी बनाए।

बैठक में प्रदीप चौबे, अरुण वोरा, मोहन गुप्ता, घनाराम साहू, बृजमोहन सिंह, प्रतिमा चंद्राकर, आरएन वर्मा, डा. राजेंद्र द्विवेदी, मोहन पटेल, सीजू एंथोनी, परमजीत सिंह भुई, कौशलकिशोर सिंह, यशवंत हरमुख, तुलसी साहू, सौरभ निर्वाणी, संतोष पांडे, देवलाल ठाकुर, महिला अध्यक्ष कल्पना देशमुख, अब्दुल गनी, रत्ना नारमदेव, सुरेंद्र कपूर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वच्छता दिवस 27 को

महासमुंद, 22 अक्टूबर। संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत आगामी 27 अक्टूबर को हाथ धुलाई दिवस मनाई जाएगी। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष छत्तर सिंह नायक ने स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर निहारिका बारिक सिंह के अतिरिक्त अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे। श्री नायक ने इस रथ की स्वच्छता यात्रा पर अपनी शुभकामनाएं दी तथा उम्मीद जताई कि इससे लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता आएगी।

गौरतलब है कि लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस वर्ष देश में यह दिवस मंगलवार 27 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

मप्र में नक्सली घूसने की आशंका

अतुल पुरोहित

भोपाल, 21 अक्टूबर। मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक एस.के.राउत ने आशंका जताई है कि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से खासकर नक्सली मध्यप्रदेश में भारी संख्या में घुस आए हैं। उनके द्वारा कभी भी कहीं भी कोई बड़ी घटना की जा सकती है।

गौरतलब है कि डीजीपी बनने से पूर्व एस.के.राउत प्रदेश के इंटेलीजेंसी विभाग के मुखिया थे। खुफिया शाखा के इंचार्ज रहते हुए भोपाल में नक्सलियों की एक बड़ा कारखाना पकड़ा गया था। जिसमें नक्सली अपना हथियार बनाते थे। प्रदेश के तकरीबन आठ जिले इनमें बालाघाट, मंडला, डिण्डोरी, सतना, रीवां, बैतुल, सिवनी, छिंदवाड़ा जिला नक्सली गतिविधियों के केन्द्र बने हुए हैं।

श्री राउत ने 'छत्तीसगढ़' से विशेष बातचीत में बताया कि नक्सलियों की उपस्थिति अब प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में दिखाई देने लगी है। मध्यप्रदेश में दर्जनों नक्सली घुस आए हैं। उनका कहना है कि अभी तक नक्सलियों की गतिविधियां शुरू नहीं हुई है मगर ये आशंका है कि वे प्रदेश में कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। इसके लिए प्रदेश पुलिस द्वारा सर्चिंग चलाया जा रहा है।

खाद्यान्न वितरण पर प्रशासन सख्त

छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव,22 अक्टूबर। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित राशन दुकानों में नवंबर माह के कोटे का खाद्यान्न भंडारण नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा शुरू कर दिया गया है। कलेक्टर डॉ. रोहित यादव ने द्वार प्रदाय योजना के परिवहनकर्ताओं को राशन दुकानों को हर हाल में खाद्यान्न तौलकर देने के सख्त निर्देश दिए हैं। राशन दुकानों को परिवहनकर्ताओं द्वारा खाद्यान्न तौलकर न दिए जाने की शिकायत के मद्देनजर कलेक्टर ने कहा है कि इसकी पुनरावृत्ति होने पर संबंधित परिवहनकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंधक जितेन्द्र निगम ने बताया कि परिवहनकर्ताओं को पूर्व से ही राशन दुकानों को निगरानी समिति के समक्ष खाद्यान्न तौलाकर देने के निर्देश दिए गए हैं, परंतु कुछ परिवहनकर्ताओं द्वारा इस निर्देश के पालन में उदासीनता बरते जाने की शिकायत मिली है।

आखिरी पेज से आगे

चेतन वर्मा नहीं रहे

ताम्रध्वज साहू सहित कई कांग्रेसी पंहुचे।

डॉ. वर्मा बेमेतरा से दो बार विधायक रह चुके थे। वह एक राजनीतिज्ञ होने के अलावा एक कुशल चिकित्सक भी थे। उनके निधन पर कांग्रेसजनों ने शोक व्यक्त किया है। दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनाराम साहू, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष रविंद्र चौबे, भजनसिंह निरंकारी, अरुण वोरा, प्रदीप चौबे, पूर्व महापौर आरएन वर्मा के साथ-साथ दुर्ग जिला ग्रामीण युकां अध्यक्ष सौरभ निर्वाणी ने श्रद्धांजलि देते कहा कि डा. वर्मा का चले जाना उनकी व्यक्तिगत क्षति भी है। शहर अध्यक्ष देवलाल ठाकुर, विजय चंद्राकर, पूर्व ग्रामीण युकां अध्यक्ष केशव हरमुख बंटी, अमीर तिगाला, अजय मढ़रिया, अभिषेक शर्मा, शिशरकांत कसार, जमील चौहान, राजेश दांडेकर, युकां के प्रदेश सचिव रज्जन खान, कृष्णा वैष्णव आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य में राष्ट्रीय खनन संस्थान

हालत यह है कि अभी भी प्रदेश से करीब पौने दो लाख विद्यार्थी अन्य राज्यों में जा रहे हैं। इसी तरह बिजली के क्षेत्र में भी स्पेशल कोर्स शुरू करने के लिए पहल की जा रही है।

बताया गया है कि एनटीपीसी चार स्थानों पर स्पेशल कोर्स चला रही है। इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग में स्नातक विद्यार्थियों को इसमें प्रवेश दिया जाता है। प्रदेश में एनटीपीसी द्वारा कई प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा ऊर्जा के क्षेत्र में करीब 40 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावित है। प्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञों के लिए अपार संभावनाएं हैं। सरकार जल्द ही इस सिलसिले में केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री और एनटीपीसी के उच्चाधिकारियों से चर्चा कर उन्हें यहां भी स्पेशल कोर्स शुरू करने के लिए पहल करेगी।

बाल-बाल बचे थे रहमान

डेनी बोयेल की फिल्म स्लम डॉग मिलियोनर के लिए दो आस्कर जीतने वाले संगीतकार कहते हैं कि यह दुर्घटना घातक हो सकती है। वह कहते हैं कि उनके प्रशंसकों के प्यार और दुआओं ने उन्हें बचाया -'जैसे ही मैं मंच के बायीं तरफ से दायीं तरफ गया, मैंने 30, 40 फीट की ऊंचाई से नीचे बहते पानी की तरह उसे गिरते देखा। मुझे बिजली की तरह एक ख्याल कौंधा, कि सब कुछ पलक झपकते ही किस तरफ चला जा सकता है।' 'जब मैंने आस्कर के लिए ओपरा विनफ्रे का शो किया, तो उन्होंने मुझसे 'जय हो' का मतलब पूछा, और मैंने कहा 'मेरी जीत तुम्हारी हो' उन्होंने मुझे भी यही शुभकामना दी, और मुझे लगता है कि उनकी दुआ काम कर। पूरी दुनिया से मेरे लिए की गई दुआओं के कारण ही उस दिन मेरी जान बची' रहमान ने कहा कि मौत तो एक दिन आनी है इसलिए वह मौत से नहीं डरते। वह कहते हैं- जो होना है वह हो कर रहेगा, मैं समझता हूँ कि हम हर वक्त मौत के हाथों में हाथ डाल कर चलते हैं। मौत हमारी हमसफर है लेकिन हां इस वक्त इस बात के अँधेरे पहलू को न देखें।'

पहले पेज से आगे

चिदंबरम रह चुके हैं वेदांता के डायरेक्टर...

आज भी मुंबई का आफ्टरनून और पुनर्प्रकाशित चौथी दुनिया इन्हीं का है। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित गैनन डंकरले के दफ्तर में अब चौथी दुनिया चलता है, लेकिन वहां अब भी कंपनी के अवशेष मिल जाएंगे। अब कंपनी का ऑफिस ओखला चला गया है।

कोरबा कांड के ठीक बाद गृह मंत्रालय ने बालको की बची 49 फीसदी हिस्सेदारी की स्टरलाइट द्वारा खरीद पर रोक लगा दिया। 2001 में जब स्टरलाइट ने बालको का 51 फीसदी खरीदा था, तो उस सौदे में एक कॉल ऑप्शन भी था कि एक निश्चित अवधि के भीतर स्टरलाइट अन्य हिस्से को भी बाल्को से खरीद सकती है। इसकी समय सीमा मार्च 2004 तय की गई थी, लेकिन कंपनी के मूल्यांकन को लेकर मतभेद पैदा हो गए जब स्टरलाइट ने 1099 करोड़ रुपये में बालको के 49 फीसदी शेयरों की खरीद का प्रस्ताव फेंका। उसके बाद से मामला अटका पड़ा था।

चिदंबरम यानी वेदांता के डायरेक्टर

सवाल उठता है कि कंपनियों के बीच खरीद-फरोख्त के मामलों पर गृह मंत्रालय का क्या अख्तियार है? क्या गृह मंत्रालय कानूनी तौर पर किसी कंपनी के अधिग्रहण पर रोक लगाने का तकनीकी अधिकार रखता है? हो सकता है दुर्घटना से जुड़ा कोई उपबंध हो जिसमें यह संभव हो, लेकिन इसके पीछे मूल वजह मौजूदा गृह मंत्री पी. चिदंबरम का होना है। बता दें कि पी. चिदंबरम वेदांता समूह के निदेशक बोर्ड में रह चुके हैं। आर. पोद्दार की लिखी किताब 'वेदांताज़ बिलियंस' में बताया गया है कि चिदंबरम वेदांता रिसोर्सेज़ के निदेशक के तौर पर भारी-भरकम तनख्वाह लेते थे। सालाना 70,000 डॉलर उन्हें एक गैर-कार्यकारी निदेशक के तौर पर कंपनी से मिलते थे। यह बात 2003 की है। उस दौरान स्टरलाइट के शेयरों में चिदंबरम के रहते 1000 फीसदी का उछाल आया था।

गृह मंत्री बनने से पहले पिछली सरकार में जब चिदंबरम वित्त मंत्री थे, तो उन्होंने वेदांता समूह की औरंगाबाद स्थित कंपनी स्टरलाइट ऑप्टिकल टेक्नोलॉजिस्ट्स लिमिटेड के केंद्रीय उत्पाद और कस्टम शुल्क के रूप में बकाया भारी राशि को वसूलने से अपने कदम वापस खींच लिए थे। इसकी वजह यह थी कि जब कंपनी ने कर की अपनी देनदारी से संबंधित कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए बॉम्बे उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, तो चिदंबरम और उनकी पत्नी ने स्टरलाइट का मुकदमा लड़ा था, जिसके बाद कोर्ट ने 13 अगस्त 2003 को याचिका को खारिज कर दिया था। चिदंबरम एक बार वेदांता को कर देनदारी से अपने वित्तमंत्रित्व काल में राहत दिलवा चुके हैं। अब गृह मंत्री होने के नाते वह 41 मजदूरों की हत्या से रंगे कंपनी के हाथों को साफ करने की कवायद में हैं। आश्चर्य नहीं कि इस घटना के लगभग 40 घंटे के भीतर चिदंबरम छत्तीसगढ़ में थे। ये और बात है कि उनके दौरे को नक्सल ऑपरेशन से जोड़ कर प्रचारित किया गया। जब मीडिया और विधायिका दोनों कंपनी की मुट्ठी में हों, तो ज़ाहिर है न्यायपालिका को साथ लिए बगैर कुकृत्यों को पूरी तरह जायज़ नहीं ठहराया जा सकता।

शायद इसीलिए उड़ीसा में खनन संबंधी एक मामले में वेदांता के पक्ष में 2007 और 2008 में फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एस एच कपाड़िया ने पिछले हफ्ते जब अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा हितों के टकराव संबंधी आरोपों का जवाब दिया, तो वेदांता द्वारा इस देश के चारों स्तंभों को खरीद लेने की कहानी मुकम्मल हो गई।

न्यायपालिका भी घेरे में

उड़ीसा में बॉक्साइट खनन और अल्युमिनियम परिशोधन परियोजना को वेदांता समूह की एक कंपनी को देने संबंधी फैसला सुनाने वाले जस्टिस कपाड़िया कंपनी के शेयरधारक हैं। प्रशांत भूषण के आरोपों के जवाब में उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्होंने अपनी शेयरधारिता की बात कोर्ट में बता दी थी, लेकिन संबद्ध किसी भी पक्ष ने भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली विशेष वन खंडपीठ के सामने आपत्ति नहीं दर्ज कराई।

अजीब बात यह है कि जिन तीन पक्षों ने वेदांता की परियोजना को चुनौती दी थी, उनमें से कोई भी उनसे सहमत नहीं था, जबकि कपाड़िया इस बात को दबा गए। तीन याचियों बिस्वजीत मोहंती, प्रफुल्ल सामंत रे और एकेडमी ऑफ माउंटेन एनविरॉनिक्स का पक्ष ज़ाहिर तौर पर उन पक्षकारों से महत्वपूर्ण था, जो वैसे भी वेदांता के समर्थक थे।

कपाड़िया ने स्टरलाइट में अपने शेयरों की बात 26 अक्टूबर 2007 को सामने लाई थी, जब वह फैसला लेने के आखिरी चरण में थे। ज़ाहिर है, एक ऐसे मोड़ पर शेयरधारिता की बात को सामने लाना और याचियों को आपत्ति उठाने का मौका न देना हितों के टकराव का ही मामला बनता है। इसके अलावा स्टरलाइट के कई अन्य मामले भी हैं जिनमें जस्टिस कपाड़िया ने फैसला सुनाया है. उनमें एक स्टरलाइट द्वारा चेन्नई के कस्टम आयुक्त के खिलाफ की गई अपील का मामला है, जिसे न्यायमूर्ति कपाड़िया की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने बरकरार रखा था।

कुल मिला कर हम देख सकते हैं कि किस तरीके से एक उद्योगपति अपने हितों के लिए किसी देश के तीनों अंगों को इतनी आसानी से साध लेता है। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और प्रेस चारों स्तंभों को खरीद कर दरअसल संदेश यही दिया जा रहा है कि पूंजी की राह में सिर्फ एक ही विकल्प है- या तो बिक जाओ या फिर मर जाओ।

अस्पष्ट जवाबदेही कानूनों के चलते भोपाल गैस कांड का क्या हश्र हुआ, हम सब देख ही रहे हैं। आज बालको के बहाने कम से कम कोरबा कांड पर तो बात भी हो जा रही है, वरना सिंगरौली में अगस्त में हुई औद्योगिक दुर्घटना की क्या किसी ने सुध ली? स्टरलाइट जैसी तमाम अपराध कथाओं से देश पटा पड़ा है। क्या कोई सुन रहा है? (रविवार डॉट कॉम)

पहले पेज से आगे

गाँधीवाद पर आधारित ग्राम स्वराज

संघ का मानना है कि भारत के युवा आदर्श वादी हैं संघ का मानना है यदि उसने इन्हें अपने और आकर्षित नहीं किया, तो यह दूसरी दिशा में चले जाएंगे।

युवाओं को अपने साथ लाने के लिए संघ अपने स्तर पर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाने का विचार कर रहा है अब तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् एक मात्र संघ समर्थित छात्र संगठन था जो कॉलेजों, यूनिवर्सिटियों में सक्रिय था, लेकिन अब आरएसएस अपने लोगों के जरिए विश्वविद्यालय परिसरों में कम करेगी। माधव का कहना है की दो साल पहले शुरू हुए इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिभाव मिल रहा है केंद्रीय स्तर पर संघ के नेता दत्तात्रेय होस्बोले, मनमोहन वैद्य, और माधव इस युवा कार्यक्रम में शामिल हैं।

पहली बार आरएसएस ने अपने महाविद्यालय विद्यार्थी प्रमुख नियुक्त करने का विचार किया है। एबीवीपी से किसी संभावित संघर्ष को तलने के लिए आरएसएस ने अपने परिसर गुट को विद्यार्थी राजनीति से अलग रहने रहने को कहा है माधव का कहना है- 'वह चुनाव नहीं लडेंगे, ए बी वी पि लड़ेगी' संघ ने दीनदयाल उपाध्याय के अलावा, गाँधी, राम मनोहर लोहिया, और अरबिंदो घोष के विचार से प्रेरित होकर अपने स्तर पर गाँव के विकास का मॉडल भी विकसित किया है, और इसे नेहरू मॉडल से अलग रखने का फैसला किया है।

यह पूछने पर, कि आरएसएस का नजरिया, कांग्रेस नेता राहुल गाँधी के नजरिये से किस तरह अलग है, माधव ने कहा- 'हमारे ग्रामीण विकास का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है, जबकि राहुल गाँधी का है वह नहरी के मार्ग पर चल रहे हैं जो गांवों का शहरीकरण करने की नीति है, लेकिन हम गाँधी की ग्राम स्वराज की धारणा को आधुनिक सन्दर्भ में देख रहे हैं जो कि गांवों के समूह को आर्थिक केंद्र बनाकर-बनाकर ग्रामीण जीवन को आत्मनिर्भर करने से संबंधित है।'

महाराष्ट्र, हरियाणा, अरूणाचल

राज्य में कांग्रेस तीन सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर चुकी है। राज्य में कांग्रेस ने कुल 10 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। चुनाव विशेषज्ञों की महाराष्ट्र पर खास नजर है जहां मुख्यमंत्री पद के कई आकांक्षी हैं। शिव सेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) में एक ही राजनीतिक स्थान की लड़ाई है, वहीं कांग्रेस-राकांपा गठबंधन हैट ट्रिक बनाने की उम्मीद लगाए बैठा है। राज्य में 1820 निर्दलीय उम्मीदवार हैं जिनमें से अधिकतर पार्टियों के बागी नेता हैं।

कांग्रेस ने कहा, सरकार बनाएंगे

कांग्रेस पार्टी (राकांपा) 126 सीटों पर जबकि मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व उसकी सहयोगी शिव सेना 99 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) मुंबई में शानदार प्रदर्शन करती हुए नजर आ रही है जिसे कभी शिव सेना का गढ़ माना जाता था। राज्य की 125 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने वाली मनसे 16 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पत्रकारों से कहा कि वह सरकार बनाने के प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं। इस बीच रुझानों से उत्साहित कांग्रेसी कार्यकर्ता राजधानी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास के बाहर खुशी मनाते देखे गए।

पिछले साल मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के बाद राज्य की कमान संभालने वाले चव्हाण ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। बढ़त बनाने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में अशोक चव्हाण और कांग्रेसी नेता नारायण राणे, पूर्व मुख्यमंत्री सुशील शिंदे की बेटी प्रणीति शिंदे, विलासराव देशमुख के बेटे अमित देशमुख, राकांपा के उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल और जयंत पाटिल शामिल हैं।

इस बीच भाजपा की नेता स्मृति ईरानी ने स्वीकार कि पार्टी के अनुमान के मुताबित स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा, हम कठिन समय से गुजर रहे हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि कई ऐसे मुद्दे हैं जिसपर विचार करना होगा।

उधर, महाराष्ट्र भाजपा के सचिव विनोद तावडे ने कहा कि शिव सेना और भाजपा आत्ममंथन करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी ने कहा कि पार्टी को हार स्वीकार कर भविष्य की ओर देखना चाहिए।

जीत का श्रेय कांग्रेसी नीतियों को-पवार

पवार ने कहा कि गठबंधन ने ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। पवार ने यहां अपने आवास में संवाददाताओं को बताया, कांग्रेस और राकांपा बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में तो लोगों की प्रतिक्रिया बहुत अच्छी रही है। हमें उम्मीद से ज्यादा प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने जीत का श्रेय केंद्र में कांग्रेस की नीतियों को देते हुए कहा कि केंद्र में कांग्रेस की नीतियों को महाराष्ट्र सरकार ने क्रियान्वित किया जिसे मतदाताओं ने सराहा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी अपनी पार्टी का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है और जिन आलोचकों का कहना था कि पार्टी अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी, वे गलत साबित हुए। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में राकांपा-कांग्रेस गठबंधन 135 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा शिवसेना-भाजपा गठबंधन को नुकसान पहुंचाने के बारे में पवार ने कहा, हमें उम्मीद थी कि वे 10-12 सीटें जीतेंगे।

पवार ने सेवानिवृत्ति के विकल्प को सही ठहराते हुए कहा कि उनकी पार्टी युवाओं को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, नए नेतृत्व को प्रोत्साहन देना हमारी पीढ़ी का दायित्व है।

भाजपा ने हार स्वीकारी

स्वीकार कर भविष्य की ओर देखना चाहिए। दोनों नेताओं ने मीडियाकर्मियों से गुरुवार सुबह अलग-अलग उस समय बातचीत की जब शुरूआती रुझानों में यह संकेत मिल रहा था कि कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (राकांपा) गठबंधन महाराष्ट्र में फिर से सत्ता वापसी कर सकता है।

पेज 6से आगे

मोदी के निशाने पर क्यों हैं मुसलमान

सोलह लाख की आबादी वाले बड़ौदा में वार्ड नं आठ वह जगह है, जहां बेस्ट बेकरी कांड में सोलह लोगों को 2002 जनसंहार के बाद उन्मादियों ने जिंदा जला दिया था। वार्ड नंबर आठ में 8 हजार मुस्लिम वोट और 19 हजार हिंदू वोट हैं। इसीलिए यह क्षेत्र हमेशा सांप्रदायिक तनाव का केंद्र बना रहता है। ऐसा नहीं कि सिर्फ हाल की गिरफ्तारियां ही सरकारी जुल्मतों की गवाह हों, बल्कि इससे पहले 2006 में दो सौ साल पुरानी दरगा